दिल्ली पब्लिक स्कूल जम्मू
सत्र : 2024–2025
अभ्यास कार्य

कक्षा : नवीं माह : मई

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए –

मेरे मकान के आगे चौराहे पर ढाबे के आगे फुटपाथ पर खाना खाने वाले लोग बैठते हैं। रिक्शेवाले, मजदूर, फेरीवाले, कबाड़ी वाले। आना–जाना लगा ही रहता है । लोग कहते हैं – "आपको बुरा नहीं लगता? लोग सड़क पर गंदगी फैला रहे हैं और आप इन्हें बरदाश्त कर रहे हैं? इनके कारण पूरे मोहल्ले की आबोहवा खराब हो रही है ।" मैं उनकी बातों को हल्के में ही लेता हूँ । मुझे पता है कि यहाँ जो लोग जुटते हैं वे गरीब लोग होते हैं ।अपने काम–धाम के बीच रोटी खाने चले आते हैं और खाकर चले जाते हैं । ये आमतौर पर बिहार से आए गरीब ईमानदार लोग हैं जो हमारे इस परिसर के स्थायी सदस्य हो गए हैं । ये उन अशिष्ट अमीरों से भिन्न हैं जो साधारण–सी बात पर भी हंगामा खड़ा कर देते हैं । लोगों के पास पैसा तो आ गया पर धनी होने का स्वर नहीं आया । अधजल गगरी छलकत जाए की तर्ज पर इनमें दिखावे की भावना उबल खाती है । असल में यह ढाबा हमें भी अपने माहौल से जोड़ता है । मैं लेखक हूँ तो क्या हुआ? गाँव के एक सामान्य घर से आया हुआ व्यक्ति हूँ । बचपन में गाँव–घरों की गरीबी देखी है और भोगी भी है । खेतों की मिट्टी में रमा हूँ, वह मुझमें रमी है । आज भी उस मिट्टी को झाड़झुड कर भले ही शहरी बनने की कोशिश करता हूँ, बन नहीं पाता । वह मिट्टी बाहर से चाहे न दिखाई दे, अपनी महक और रसमयता से वह मेरे भीतर बसी हुई है । इसीलिए मुझे मिट्टी से जुड़े ये तमाम लोग भाते हैं । इस दुनिया में कहा–सुनी होती है, हाथापाई भी हो जाती है लेकिन कोई किसी के प्रति गाँठ नहीं बाँधता । दुसरे–तीसरे ही दिन परस्पर हँसते–बतियाते और एक–दुसरे के दु:ख–दर्द में शामिल होते दिखाई पड़ते हैं । ये सभी कभी–न–कभी एक–दूसरे से लड़ चुके हैं लेकिन कभी प्रतीत नहीं होती कि ये लड़ चुके हैं ।कल के गुस्से को अगले दिन धुल की तरह झाड़कर फेंक देते हैं।

i) "इस दुनिया में कहा–सुनी होती है" – 'इस दुनिया' का संकेत है :

क) गाँव से शहर आ बसे गरीब ख) शहर सेगाँव आ बसे मजदूरों की दुनिया
ग) लेखक को उकसाने वाला पड़ोस घ) अमीर किंतु अशिष्ट लोग

ii) प्रस्तुत गद्यांश साहित्य की किस विधा के अंतर्गत आएगा?

क) कहानी ख) जीवनी
ग) संस्मरण घ) रेखाचित्र

iii) साधारण बात पर भी हंगामा कौन खड़ा कर देते हैं?

क) लेखक के परिचित लोग ख) अशिष्ट रेहड़ी–पटरी वाले
ग) गाँव से आए गरीब मजदूर घ) अमीर किन्तु असभ्य लोग

iv) लेखक लोगों की शिकायतों को हल्के में लेता है, क्योंकि :

क) शिकायत करना लोगों की आदत होती है ख) वह किसी बात को गंभीरता से नहीं लेता

ग) लेखक उन्हें जानता–पहचानता है घ) जुटने वाले लोग गरीब और ईमानदार हैं

v) लोग लेखक से क्यों पूछते हैं कि क्या आपको बुरा नहीं लगता?

क) वे लोग आसपास गंदगी बिखेर देते हैं । ख) वे लेखक से रुष्ट रहते हैं ।

ग) उन्हें गरीबों से मेल–जोल पसंद नहीं । घ) वे गंदे लोग हैं

2) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और विराम चिन्ह का प्रयोग कीजिए –

क) वह विद्यालय ना जा सका क्योंकि अस्वस्थ था

ख) वाह तुम धन्य हो

ग) घर जाकर उसने नहाया कपडे धोए और सारे घर की सफाई की

घ) नहीं यह मुझसे न होगा

ड.) अरे वह अनुत्तीर्ण हो गया

3) क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूल शब्द व उपसर्ग को अलग–अलग करके लिखिए :–

सम्मुख , विरुद्ध , सुपुत्र

ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त मूल शब्द व प्रत्यय को अलग–अलग करके लिखिए :–

वर्षिक , लिखावट , पढाई

4) परीक्षा की तैयारी के महत्व को बताते हुए अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए।

5) दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर 40–50 शब्दों में चित्र का वर्णन कीजिए।